संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -275 सोमवार ,05 अगस्त 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें ?

कलम बंद...का छत्तीसवां दिन

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे हैं ?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण ?
कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री विश्वभूषण हरिचंदन से हस्तक्षेप की मांग...
क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब ?
स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

बुरे काम का बुरा नतीजा...चल भाई चाचा और भतीजा...क्या यह गीत छत्तीसगढ़ प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग में सटीक बैठ रहा है ?

» क्या उनका पॉवर इतना नहीं कि वह प्रभारी डीपीएम सूरजपुर व अपने ओएसडी पर कार्यवाही कर सकें... ?

» प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री का पॉवर घटती-घटना समाचार-पत्र का दफ्तर तोड़ने तक ही नजर आया...

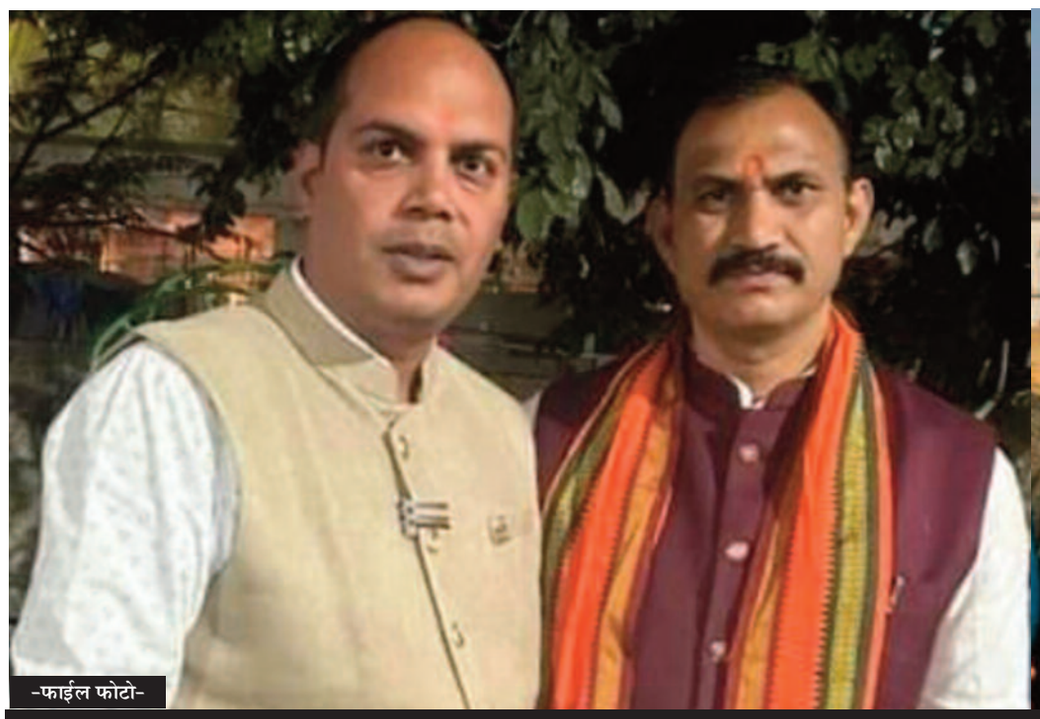
-फाईल फोटो-

-फाईल फोटो-

बुरे काम का बुरा नतीजा... चल भाई चाचा और भतीजा...

-रवि सिंह-

रायपुर/अंबिकापुर, 04 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। 1977 में एक मूवी आई थी जिसका नाम था चाचा भतीजा उसका एक गीत था बुरे काम का बुरा नतीजा चल भाई चाचा और भतीजा जो गीत सभी को बहुत पसंद आता था यह गीत आज एक बार फिर ताजा नजर आ रही है वह भी स्वास्थ्य विभाग के मामले में चाचा -भतीजा जोड़ी काफी सुर्खियों में है क्या स्वास्थ्य विभाग में भी चाचा-भतीजा जोड़ी विष्णु देव साय की छवि को धूमिल करने के लिए काफी है। कुछ उसी तर्ज पर स्वास्थ्य विभाग चल रहा है और बुरे काम का बुरा नतीजा सरकार भुगतना पड़ेगा। 28 जुलाई 2024 को सुबह 5 बजे वह भी रविवार का दिन होने के बावजूद प्रदेश सरकार के निर्देश पर खासकर स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर सरगुजा जिले का जिला प्रशासन कई बुलडोजर लेकर दैनिक घटती -घटना समाचार-पत्र के कार्यालय पहुंचता है वहीं इस दौरान जिले के राजस्व विभाग के कई आला अधिकारी वहीं जिले का एक बड़ा पुलिस अमला भी उस दौरान साथ होता है जो समाचार-पत्र के कार्यालय और संपादक के प्रतिष्ठान को जमीदोंज करते हैं और फिर आत्म संतुष्ट होकर लौट जाते हैं जैसे उन्होंने कोई जंग जीत ली हो या किसी पड़ोसी देश के कब्जे से कोई कब्जा की गई जमीन छुड़ा ली हो। वैसे सरगुजा जिला प्रशासन खासकर राजस्व अमला इसलिए दैनिक घटती-घटना समाचार पत्र के कार्यालय और उसके संपादक के प्रतिष्ठान के पीछे पड़ा था उसे जमीदोंज करना चाहता था क्योंकि दैनिक घटती-घटना स्वास्थ्य विभाग स्वास्थ्य मंत्री उनके एक तथाकथित भतीजे जो पहले कोरिया जिले में प्रभारी डीपीएम था वर्तमान में सूरजपुर जिले में प्रभारी डीपीएम है जिसकी डिग्री फर्जी है ऐसी शिकायत है वहीं स्वास्थ्य मंत्री का एक ओएसडी राज्य प्रशासनिक सेवा का अधिकारी जो फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी कर रहा है जिसकी शिकायत खुद नामजद रूप में दिव्यांग संघ कर रहा है को लेकर लगातार समाचार प्रकाशित कर रहा था वहीं वह कार्यवाही की मांग कर रहा था, स्वास्थ्य मंत्री को आगाह कर रहा था जिससे वह क्षुब्ध थे और उन्होंने समाचार-पत्र का शासकीय विज्ञापन बंद करा दिया था और जब इसका विरोध कलम बंद अभियान चलाकर दैनिक घटती -घटना ने जारी किया स्वास्थ्य मंत्री बौखला गए और अपनी पॉवर दिखाने आतुर हो गए और उन्होंने पहले अपने तथाकथित भतीजे से जो शिकायत अनुसार फर्जी डिग्री के आधार पर प्रभारी डीपीएम है स्वास्थ्य विभाग में से दैनिक घटती-घटना कार्यालय और संपादक के प्रतिष्ठान की भूमि की शिकायत कराते हैं और फिर उसके आधार पर नया कानून सरकार से लागू करवाते हैं और उसके आधार पर दैनिक घटती-घटना कार्यालय और संपादक के प्रतिष्ठान को बिना समय प्रदान किए जमीदोंज कराते हैं। वैसे स्वास्थ्य मंत्री इस काम में अपनी पूरी ताकत लगाते हैं और दैनिक घटती-घटना के कार्यालय और संपादक के प्रतिष्ठान को जमींदोज करके ही वह चैन की सांस ले सके लेकिन वहीं यदि उनके उस ओएसडी जो दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर राज्य प्रशासनिक सेवा का अधिकारी है वहीं उनका तथाकथित भतीजा जो फर्जी डिग्री के आधार पर प्रभारी डीपीएम है कई वर्षों से वहीं भ्रष्टाचार के भी जिसके ऊपर आरोप हैं उनके ऊपर कोई कार्यवाही कर पाने का पॉवर स्वास्थ्य मंत्री में नहीं है ऐसा प्रतीत होने लगा है क्योंकि वह इस मामले में मौन हैं। वैसे एक शोक संतप्त संपादक के यहां शोक संवेदना देने पहुंचने की बजाए शोक समय को अपने लिए अवसर बनाना स्वास्थ्य मंत्री लिए आसान रास्ता था संपादक का विरोध कलम बंद वाला रुकवाने के लिए जिसका उन्होंने भरपूर फायदा उठाया लेकिन फिर भी वह कलम बंद अभियान नहीं रुकवा सके और न ही अपनी पॉवर वह दोषियों पर कार्यवाही में ही जता सके। वैसे प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री जी ने जिस तत्परता से सत्य प्रकाशित करने वाले समाचार पत्र पर केवल इसलिए जमीदोंज कराने की उसके कार्यालय को संपादक के प्रतिष्ठान को कार्यवाही कराई विज्ञापन उसका रुकवाया शासकीय यदि वह उसकी जरा सी भी तत्परता दिखाते वह फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र वाले अपने ओएसडी पर कार्यवाही कर सकते थे अपने फर्जी डिग्री के आरोप वाले भतीजे पर कार्यवाही कर सकते थे जिसके लिए कानून उन्हे कोई नया नहीं बनाना पड़ता उपलब्ध कानूनी प्रक्रिया का ही पालन कर ऐसा संभव हो जाता जबकि दैनिक घटती-घटना के विरुद्ध कार्यवाही के लिए उन्हें कानून बनाना पड़ा। क्या स्वास्थ्य मंत्री जी अपना पॉवर अब भतीजे के लिए ओएसडी के लिए इस उद्देश्य से इस्तेमाल करेंगे की उनकी नौकरियों और उनके प्रमाण पत्रों की जांच हो वह भी जल्द और जल्द कार्यवाही हो?

क्या बुरे काम का बुरा नतीजा...चल भाई चाचा और भतीजा... क्या यह गीत.. छत्तीसगढ़ प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग में सटीक बैठ रहा है...

1977 में एक मूवी आई थी जिसका नाम था चाचा भतीजा उसका एक गीत था बुरे काम का बुरा नतीजा चल भाई चाचा और भतीजा जो गीत सभी को बहुत पसंद आता था यह गीत आज एक बार फिर ताजा नजर आ रही है वह भी स्वास्थ्य विभाग के मामले में चाचा भतीजा जोड़ी काफी सुर्खियों में है क्या स्वास्थ्य विभाग में भी चाचा भतीजा जोड़ी विष्णु देवता की छवि को धूमिल करने के लिए काफी है कुछ उसी तर्ज पर स्वास्थ्य विभाग चल रहा है और बुरे काम का बुरा नतीजा सरकार भुगतना पड़ेगा।

कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में जिस सीएमएचओ ने कोराना काल में मचाई थी जमकर लूट...भाजपा सरकार में स्वास्थ्य मंत्री ने उसे अपने प्रभार जिले का बनाया सीएमएचओ

» सीएमएचओ थे बलरामपुर जिले में सिविल सर्जन के रूप में पदस्थ...संघ विरोधी भाई सक्रिय है...स्वास्थ्य मंत्री के साथ इसलिए दी गई पदस्थापना...

» सूत्रों का दावा... विधायक भईयालाल ने किया था विरोध...इसलिए कोरिया में नही हुई पदस्थापना...

-रवि सिंह-

रायपुर/अंबिकापुर 04 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग इन दिनों काफी सुर्खियां बटोर रहा है,लूट,खसोट,दलाली, पद के लिए बोली, मनमाफिक कार्य,नियम विरूद्ध पद स्थापना विभाग की पहचान बन गई है, इन सभी का केन्द्र मंत्री का शंकरनगर रायपुर स्थित शासकीय आवास बना हुआ है, हालांकि इन सभी पर केन्द्र के गुप्तचर एजेंसी की नजर है इसके बावजूद भर्राशाही मची हुई है। विभाग में मची भर्राशाही का एक ताजा मामला कुछ दिन पहले सामने आया है जिसमें विभाग के स्थानांतरण मामले में एक ऐसे अधिकारी की पदस्थापना मंत्री ने अपने प्रभार जिले जीपीएम में की है जो कि कांग्रेस सरकार के समय काफी विवादित रहा हो। उक्त अधिकारी द्वारा कोरोना काल में आपदा में अवसर तलाश कर काफी लूट खसोट मचाई गई थी। स्थानीय भाजपाईयों से लेकर विधायक ने कोरिया में पदस्थापना को लेकर विरोध किया था जिसके बाद प्रभार जिले में पदस्थापना दी गई। एक जोरदार पहलू यह भी है कि उक्त अधिकारी का एक राष्ट्रीय स्वयं संघ विरोधी भाई स्वास्थ्य मंत्री के आगे पीछे रहता है इस वजह से उसे जिले की जिम्मेदारी दी गई है। इन सभी के पीछे स्वास्थ्य मंत्री की मंशा स्पष्ट रूप से दिखलाई दे रही है। छत्तीसगढ़ शासन लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा 29 जुलाई को कुल 17 चिकित्सकों को प्रशासनिक आदेश के तहत स्थानांतरित किया गया है, उक्त आदेश के क्रम संख्या 6 पर डॉ. रामेश्वर शर्मा प्रभारी सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय बलरामपुर को प्रभारी मुख्य चिकित्सा

-फाईल फोटो-

एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही में पदस्थ किया गया है। ज्ञात हो कि यह स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल का प्रभार जिला भी है जहां मंत्री ने अपनी पसंद पर स्वास्थ्य अधिकारी की पदस्थापना की है।

कोरिया में पदस्थापना का विधायक भईयालाल राजवाड़े ने किया था विरोध

स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने डॉ रामेश्वर शर्मा को अपने प्रभार जिले जीपीएम का प्रभारी सीएमएचओ बनाया है, उनकी पदस्थापना को लेकर पिछले कई महीने से यह खबर आ रही थी कि मंत्री द्वारा उन्हे कोरिया जिले का सीएमएचओ बनाने की कोशिश की जा रही है लेकिन कांग्रेस सरकार के दौरान जब उनकी पदस्थापना कोरिया जिले में थी उस दौरान डॉ. रामेश्वर शर्मा ने कोरोना काल में जिस प्रकार अफरा-तफरी मचाई, खुलेआम सत्ताधारियों के साथ मिलकर लूट-खसोट किया गया था आलम यह था कि भाजपाई दूर-दूर तक फटक नही पाते थे। तात्कालिक विधायक और उनके चंगु-मंगु के और तात्कालिक प्रभारी डीपीएम तथाकथित मंत्री के भतीजे के साथ डॉ. रामेश्वर शर्मा ने विभाग में काफी भर्राशाही मचा कर रखी थी। उस दौरान भी भईयालाल राजवाड़े समेत अनेक भाजपाईयो ने शिकायत दर्ज कराई थी। बाद में कांग्रेस सरकार ने कोरिया से स्थानांतरण कर बलरामपुर भेज दिया था। प्रदेश में सरकार बनने के बाद एक बार फिर डॉ. रामेश्वर शर्मा को स्वास्थ्य मंत्री द्वारा कोरिया में पदस्थ करने की कोशिश की जा रही थी लेकिन जैसा सूत्रों का कहना है कि स्थानीय विधायक भईयालाल राजवाड़े समेत अनेक भाजपाईयों ने उनके नाम पर सीधे आपत्ति दर्ज कराई थी चूंकि जीपीएम में पदस्थ किए गए सीएमएचओ का एक भाई जो कि भाजपा से लेकर संघ के खिलाफ जहर उगलता है वह स्वास्थ्य मंत्री का खास बना हुआ है इस वजह से मंत्री द्वारा डॉ. रामेश्वर शर्मा को सीएमएचओ बनाने का वादा किया गया था और कोरिया में पदस्थापना का विरोध होने पर प्रभार जिला जीपीएम का प्रभारी सीएमएचओ बनाया गया है। बताया जाता है कि इसमें मंत्री के तथाकथित विवादित भतीजे प्रभारी डीपीएम सूरजपुर प्रिंस जायसवाल की भी भूमिका है क्योंकि वह उक्त अधिकारी का काफी करीबी है।

डायरिया पर रोक कब लगेगी स्वास्थ्य मंत्री जी...

» अब कवर्धा में हुई दो की मौत...

» दुर्ग जिले में भी मचा हाहाकार..., सुन लो सरकार...

» क्या आपको मंत्री की कुर्सी...सिर्फ हवा-हवाई दावा करने और बुलडोजर चलवाने के लिए दिया गया है...?

» मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के नेतृत्व में लगातार दुर्दशा का शिकार...प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग...

-फाईल फोटो-

-फाईल फोटो-

-रवि सिंह-

रायपुर/अंबिकापुर 04 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के नेतृत्व में लगातार दुर्दशा का शिकार हो रहा है...शासकीय अस्पताल में मरीज सुविधा के अभाव में कराह रहे हैं...प्रदेश भर में स्वास्थ्य सुविधाओं ने दम तोड़ दिया है...। आलम यह है कि कई जिलों में डायरिया ने तेजी से पांव पसार लिया है,अब तो डायरिया पीड़ितों की मौतें भी हो रही हैं,बीजापुर के बाद खुद स्वास्थ्य मंत्री के गृह जिले में कुछ दिन पहले ही डायरिया से महिला की मौत हो गई थी और अब राजधानी रायपुर के करीब ही कवर्धा मे डायरिया से मौत की खबर आई है। लगातार हो रही मौत इस बात का संकेत है कि प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग डायरिया पीड़ित मरीज का उपचार ठीक ढंग से नहीं कर पा रहा है। मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल सच प्रकाशित करने वाले अखबार के संपादक और पत्रकारों के खिलाफ षडयंत्र और द्वेषपूर्वक कार्यवाही कराने में व्यस्त हैं उन्हे प्रदेश के नागरिकों के स्वास्थ्य और लगातार हो रही मौत से कोई लेना देना नही है। बतलाया जाता है कि कवर्धा जिले में अब तक डायरिया से दर्जन भर से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। डायरिया के मामले में कवर्धा डेंजर जोन बन चुका है। कवर्धा जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में डायरिया ने विकराल रूप धारण कर लिया है स्वास्थ्य विभाग बीमारी नियंत्रण करने में विफल नजर आ रहा है। एक ताजा मामला कवर्धा जिले के पंडरिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम देवसरा का है जहां गुरूवार को दो व्यक्तियों की उल्टी दस्त से मौत हो गई। 5 गंभीर मरीजों को उपचार हेतु भर्ती किया गया है।

दुर्ग जिले में बिगड़े हालात

एक तरफ कवर्धा में मौत का आंकड़ा बढता जा रहा है तो राजधानी के समीपस्थ दुर्ग जिले में भी हालात और बिगड़ता जा रहा है। बतलाया जाता है कि इस जिले में डायरिया पीड़ित 213 मरीजों की पहचान की जा चुकी है। धमधा,मेडेसरा और अहिवारा क्षेत्र से आने वाले इन मरीजों के घर में हाहाकार मचा हुआ है। वर्तमान में 33 मरीजों का उपचार किया जा रहा है। इस क्षेत्र में पिछले 18 जुलाई के बाद से हर दिन 5-10 मरीज मिल रहे हैं। लगातार बढते डायरिया के प्रकोप से नागरिकों में दहशत का माहौल है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर, 04 अगस्त 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

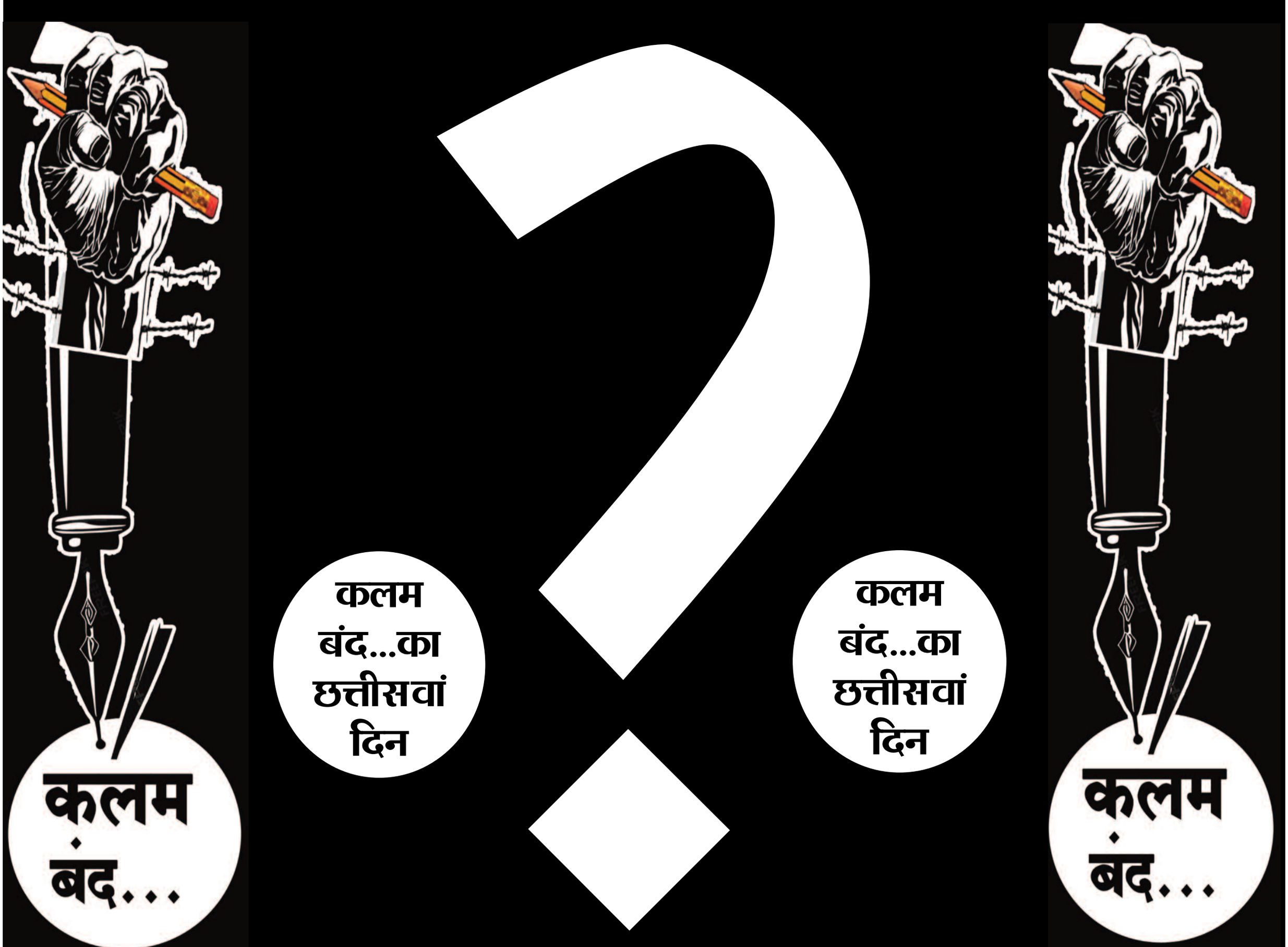

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है... संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,04 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

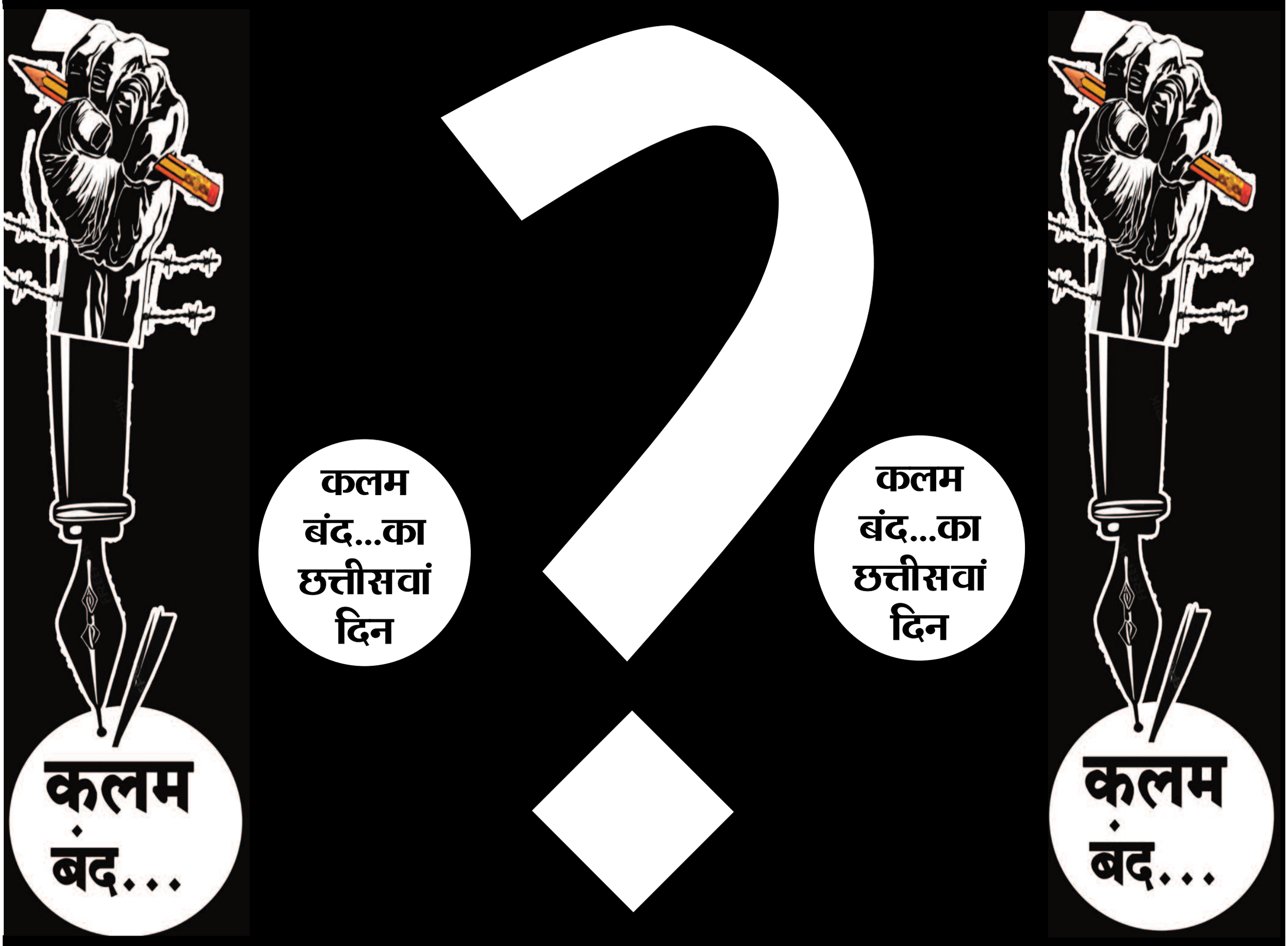

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है ?

अम्बिकापुर,04 अगस्त 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

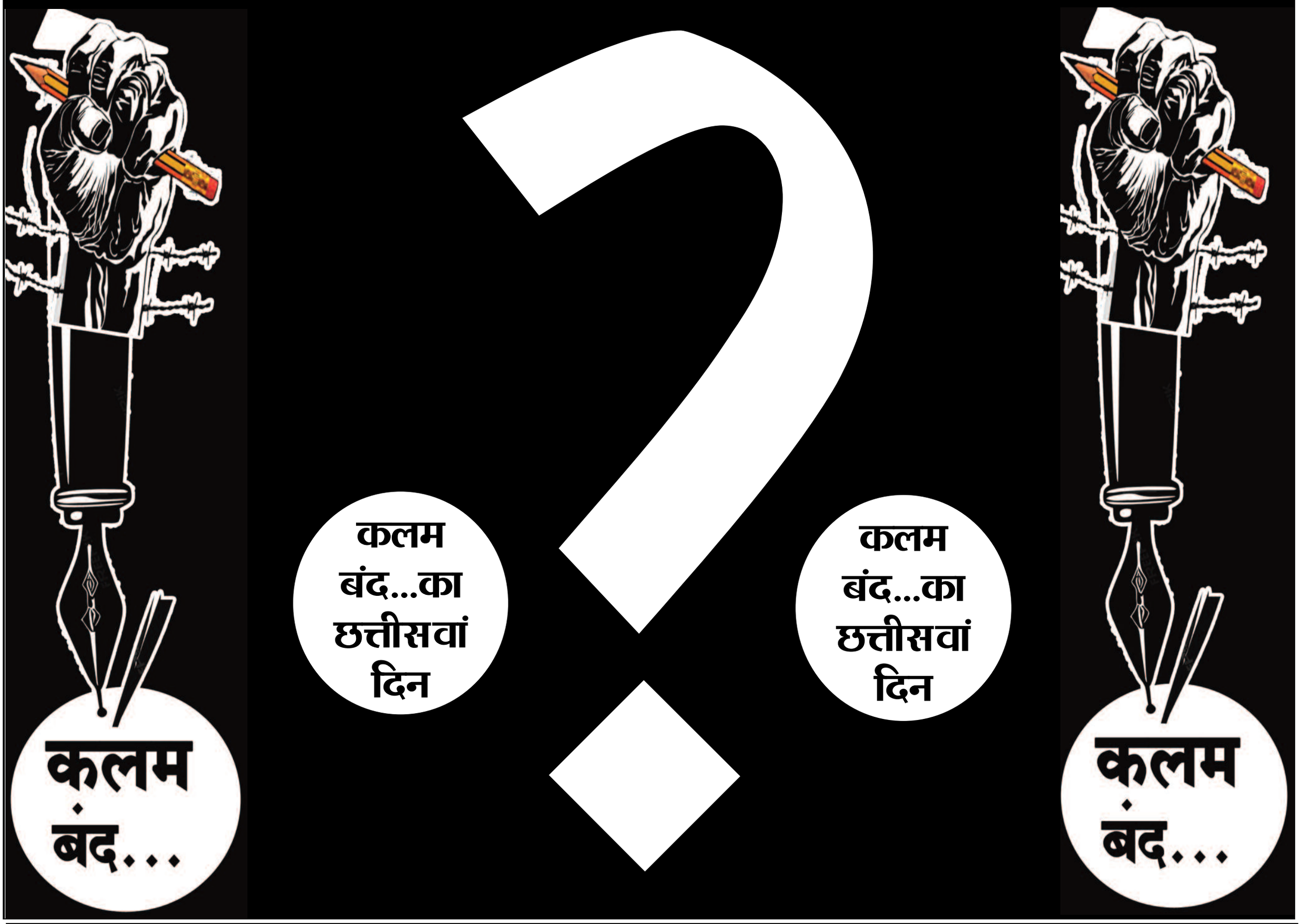

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर, 04 अगस्त 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

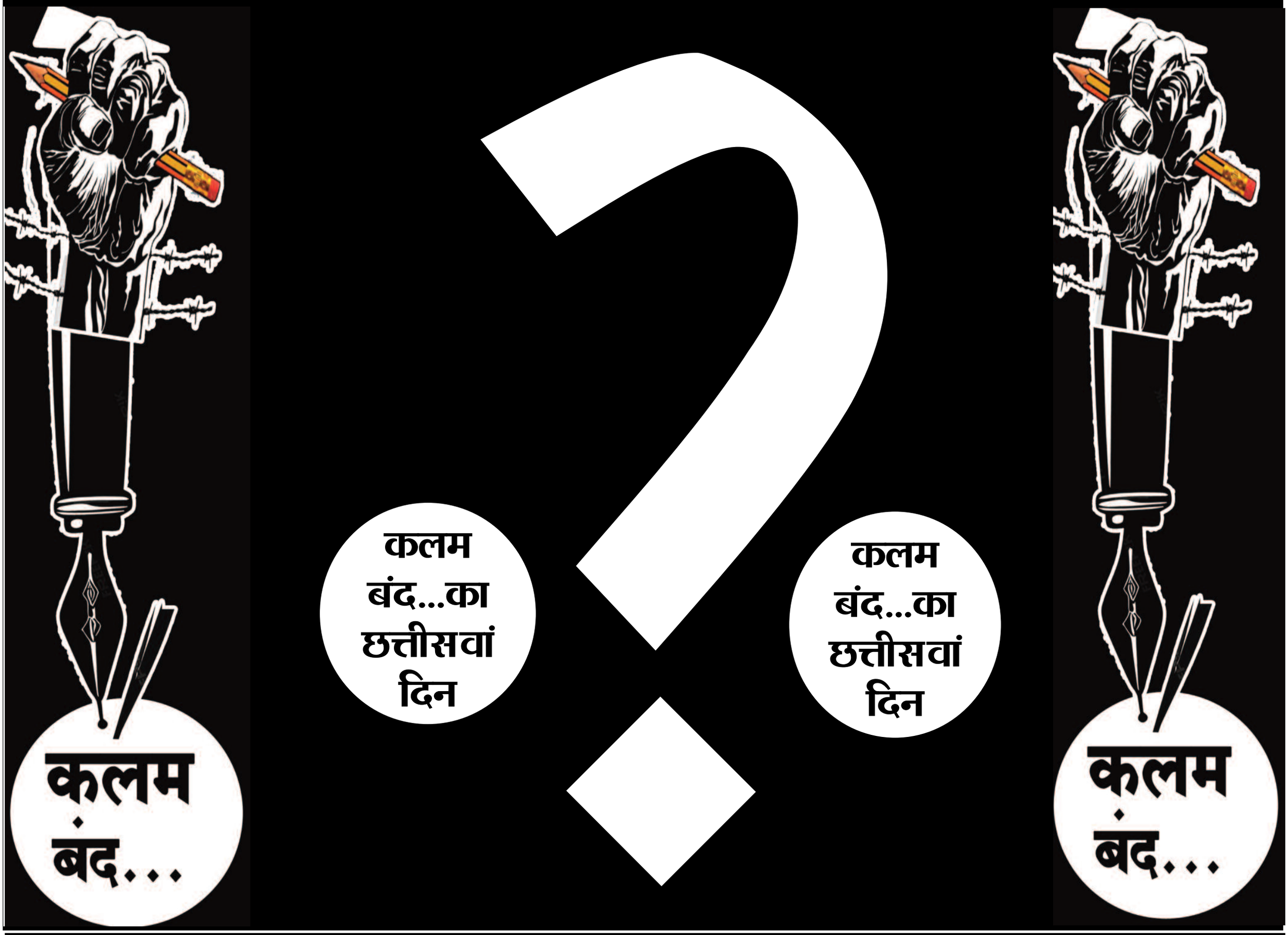

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

भारतीय हॉकी टीम ने ग्रेट ब्रिटेन को हराया

» सेमीफाइनल में मारी धमाकेदार एंट्री

पेरिस,04 अगस्त 2024। भारतीय हॉकी टीम ने इंग्लैंड को शूटआउट में 4-2 से हरा दिया है। फुल टाइम तक दोनों का स्कोर 1-1 से बराबर था। लेकिन शूटआउट में पीआर श्रीजेश के दम पर भारत ने सेमीफाइनल में एंट्री कर ली है। भारत ने लगातार दूसरी बार ओलंपिक में हॉकी के सेमीफाइनल में एंट्री की है। इससे पहले टोक्यो ओलंपिक 2020 में भी भारत सेमीफाइनल में पहुंचा था। तब भारत ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इस बार भी टीम इंडिया से पदक की उम्मीदें हैं।

पहले क्वार्टर में नहीं हुआ गोल

भारत और ग्रेट ब्रिटेन दोनों टीमों ने पहले क्वार्टर में कमाल का प्रदर्शन किया और गोल करने के कई प्रयास किए। लेकिन दोनों टीमों से किसी को भी सफलता नहीं मिली। पहले क्वार्टर में पीआर श्रीजेश ने ग्रेट ब्रिटेन की तरफ से किए गए कई बेहतरीन गोल बचाए। भारत को भी पेनाल्टी कॉर्नर मिले। लेकिन भारतीय टीम गोल नहीं कर सकी। इस तरह से पहला क्वार्टर गोल रहित रहा।

हरमनप्रीत सिंह ने किया गोल

दूसरे क्वार्टर में भारतीय हॉकी टीम ने आक्रामक खेल दिखाया और गोल करने के कई मौके बनाए। इसी क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ी अमित रोहिदास को रेड कार्ड दिखाया गया। इसके बाद भारतीय टीम ने बचा हुआ मुकाबला 10 प्लेयर्स के साथ खेला। भारतीय टीम के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह का इस मैच में भी दमदार प्रदर्शन जारी रहा। उन्होंने 22वें मिनट में गोल कर दिया। लेकिन इसके बाद ग्रेट ब्रिटेन के ली मोर्टन ने गोल कर दिया। इसी की बदौलत ब्रिटेन ने मैच में 1-1 से बराबरी हासिल कर ली। भारत 10 प्लेयर्स के साथ खेल रहा था, तो ऐसे में लग रहा था कि ग्रेट ब्रिटेन की टीम आसानी से मुकाबला जीत जाएगी। पर पीआर श्रीजेश ने कोई गोल नहीं होने दिया। निर्धारित समय तक मैच 1-1 से बराबर रहने के बाद पेनाल्टी शूटआउट हुआ। इसमें भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, ललित उपाध्याय और राजकुमार पाल ने गोल किए। जबकि इंग्लैंड के दो शॉट पीआर श्रीजेश ने बचा लिए। वह भारत की जीत में सबसे बड़े नायक साबित हुए हैं। वह ब्रिटेन और गोल के बीच में बड़ी दीवार बन गए थे। उनकी वजह से ही टीम इंडिया सेमीफाइनल में पहुंच पाई है।

ईशान किशन करेंगे वापसी

नई दिल्ली,04 अगस्त 2024। ईशान किशन ने भारतीय टीम के लिए अपना आखिरी मैच साल 2023 में खेला था। उसके बाद से ही वह टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। उन्हें बार-बार घरेलू क्रिकेट में खेलने को कहा गया लेकिन वे इससे इनकार करते रहे। उन्होंने डोमेस्टिक क्रिकेट में खेलने की बजाए सीधे आईपीएल में खेलना चुना। वह बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट में भी शामिल नहीं है। शायद ईशान अब मूड बदल चुके हैं और वह घरेलू क्रिकेट में वापसी करने के लिए तैयार हैं। उन्हें झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन ने 25 प्री-सीजन संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया है।

घरेलू क्रिकेट में वापसी

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक 26 साल के ईशान किशन आगामी घरेलू सीजन के लिए झारखंड राज्य की तरफ से खेलने के लिए सहमत हो गए हैं। उन्हें राज्य की कप्तानी भी मिल सकती है। ईशान ने अपनी उपलब्धता के बारे में झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन को बता दिया है। वह अंडर-19 में भारतीय टीम की कप्तानी कर चुके हैं। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि ईशान को उनके शुभचिंकको ने समझाया है और सेलेक्टर्स ने उनसे बात की है। उन्हें घरेलू क्रिकेट में खेलने की सलाह दी है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए आईसीसी ने बनाया ये प्लान

नई दिल्ली,04 अगस्त 2024। चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच खींचतान जारी है। वहीं इस विषय पर काफी चर्चा हो रही है। क्योंकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चाहता है कि भारतीय टीम पाकिस्तान आए, लेकिन भारतीय टीम किसी भी कीमत पर पाकिस्तान जाने के लिए तैयार नहीं है। इस बीच एक बड़ा संकेत मिला है कि पीसीबी को एशिया कप 2023 की तरह आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी भी हाइब्रिड मॉडल के तहत आयोजित करनी पड़ सकती है। यहां तक कि इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आईसीसी भी इसके लिए तैयार है और आईसीसी ने इसके लिए बजट भी लगाया फाइनल कर लिया है। आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए 65 मिलियन डॉलर यानी करीब साढ़े 500 करोड़ रुपये का बजट तैयार किया है। इसमें ये बात भी बताई गई है कि अगर पाकिस्तान के बाहर मैच आयोजित किए जाएं तो इसी में से पैसे खर्च किए जाएंगे। 65 में से 20 मिलियन डॉलर इनामी राशि इस टूर्नामेंट में होगी। 19 फरवरी से 9 मार्च तक खेले जाने वाले इस इवेंट के लिए पाकिस्तान में तैयारी हो रही है। हालांकि, भारत की भागीदारी या अनुपस्थिति के अहम मुद्दे पर आईसीसी एजीएम में ज्यादा चर्चा नहीं की गई, लेकिन किसी भी स्थिति के लिए एक आकस्मिक योजना बनाई गई है।

आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2024 के लिए लगभग 35 मिलियन डॉलर की राशि तय की है। इसके अलावा टूर्नामेंट में शामिल होने वाली टीमों और पुरस्कार राशि के लिए अतिरिक्त 20 मिलियन डॉलर खर्च होने हैं। वहीं, 15 मैचों के इस 20 दिवसीय टूर्नामेंट के टेलीविजन से जुड़ी लागतों के लिए 10 मिलियन डॉलर स्वीकृत किए गए हैं। हालांकि, आईसीसी की तरफ से आधिकारिक ऐलान इसका नहीं हुआ है। साथ ही कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया है कि ऐसा ही होने वाला है। इससे साफ कहा जा सकता है कि भारत के मैच पाकिस्तान से बाहर आयोजित होने हैं, जिसमें दुबई सबसे आगे है।

श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा भारत के खिलाफ वनडे श्रृंखला से बाहर

कोलंबो,04 अगस्त 2024। श्रीलंका के ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण भारत के खिलाफ चल रही तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। हसरंगा पहले वनडे में अपने अंतिम ओवर के दौरान असहज महसूस कर रहे थे। हसरंगा की जगह जेफरी वांडरसे को टीम में शामिल किया गया है लेकिन उनके बाहर होने से श्रीलंका का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर हो गया है क्योंकि मथीशा पथिराना, दिलशान मदुशंका, दुष्मंथा चमीरा और नुवान तुषारा चोटिल होने के कारण पहले ही बाहर हैं। श्रीलंका क्रिकेट ने विज्ञप्ति में कहा,''वानिंदु हसरंगा बायीं हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण एक दिवसीय श्रृंखला के बाकी मैचों में नहीं खेल पाएंगे। उनकी जगह जेफरी वांडरसे को टीम में लिया गया है।'' भारत और श्रीलंका के बीच तीसरा और अंतिम वनडे इसी मैदान पर सात अगस्त को खेला जाएगा।

सेंट लूसिया को पहला ओलंपिक मेडल जिताने वाली एथलीट बनीं जूलियन अल्फ्रेड

» जूलियन अल्फ्रेड ने सेंट लूसिया को पहला ओलंपिक मेडल जिताया
» 100 मीटर रेस में जूलियन अल्फ्रेड ने जीता गोल्ड
» स्वर्ण पदक जीतकर सेंट लूसिया को दी नई पहचान

पेरिस,04 अगस्त 2024। सेंट लूसिया का नाम भले ही अब तक विश्व में बहुत प्रसिद्ध नहीं हुआ हो, परंतु अब उसकी फर्राटा धाविका जूलियन अलफ्रेड ने खेलों के महाकुंभ के सबसे प्रतीक्षित 100 मीटर फर्राटा दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर इस देश को नई पहचान दे दी है। अमेरिकी की सबसे चर्चित फर्राटा धाविका सक्कारी रिचर्डसन ओलंपिक की शुरुआत से ही इस दौड़ की सबसे पसंदीदा मानी जा रही थीं, परंतु अलफ्रेड ने सेमीफाइनल से लेकर फाइनल तक उन्हें पीछे छोड़कर विश्व की सबसे तेज महिला का खिताब अपने नाम कर लिया। सेंट लूसिया की धाविका ने फाइनल दौड़ केवल 10.72 सेकेंड में पूरी कर ली, जबकि अमेरिकी स्टार रिचर्डसन ने 10.87 सेकेंड में और उनकी हमवतन जेफरसन ने 10.92 सेकेंड में दौड़ पूरी कर रजत और कांस्य अपने नाम किया।

पीआर श्रीजेश क्वार्टर फाइनल शूट आउट में भारत के नायक बने

पेरिस,04 अगस्त 2024। पेरिस ओलंपिक 2024 में ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ हॉकी मैच के क्वार्टर फाइनल के दौरान पीआर श्रीजेश भारत के हीरो बन गए। अनुभवी गोलकीपर ने करो या मरो के मैच के दौरान अपनी वीरता के पीछे के मंत्र का खुलासा किया। मैदान पर कदम रखने से पहले, श्रीजेश ने सोचा कि यह भारत के लिए उनका आखिरी हॉकी मैच हो सकता है। उन्होंने आभार व्यक्त किया और कहा कि उन्हें अब दो और मैच खेलने की खुशी है। भारत पुरुष हॉकी के सेमीफाइनल में पहुंच गया क्योंकि उन्होंने पेनल्टी शूटआउट में ग्रेट ब्रिटेन को 4-2 से हराया। ÷देखिए जब मैंने आज इस मैदान पर कदम रखा। मेरे पास दो विकल्प थे। यह मेरा आखिरी मैच हो सकता है, या मुझे दो और मैच खेलने का मौका मिल सकता है। और मुझे लगता है कि हाँ, मुझे दो और मैच मिले,÷ श्रीजेश ने भारत की जीत के बाद प्रसारकों से कहा। वह पेनल्टी शूटआउट के दौरान भारत के मुख्य खिलाड़ी और टीम के हीरो थे। श्रीजेश पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत के अभियान की समाप्ति के बाद संन्यास लेने वाले हैं।

श्रीजेश और भी प्रेरित थे, खासकर अमित रोहिदास को हाई-इंटेंसिटी मैच के दौरान रेड कार्ड मिलने के बाद। ÷कुछ खास नहीं। लेकिन जब अमित को कार्ड मिला, तो मैंने सोचा, मैं उसके लिए सर्वश्रेष्ठ खेलना चाहता हूं क्योंकि वह एक डिफेंडर के रूप में मेरे लिए एक संपत्ति है। और मुझे लगा कि कहीं न कहीं यह सब दिखा, कड़ी मेहनत, समर्पण और सख्त मानसिकता क्योंकि लगभग दो, मेरा मतलब है कि अधिकांश मैचों में हमने एक मैच पीछे खेला, इसलिए यह टीम का शानदार प्रयास है,÷ श्रीजेश ने खुलासा किया। ÷यह एक गोलकीपर का दैनिक काम है, और इंग्लिश गोलकीपर भी बहुत अच्छा है। लेकिन कभी-कभी यह दूसरे व्यक्ति के लिए एक अलग दिन होता है, और मुझे लगता है कि यह हमारा दिन था। हमने वह सब कुछ किया जो हम कर सकते थे और मैं क्या कहूँ? यह ऐसा है, हाँ, यहाँ तक कि शाउटआउट में भी, जिन लोगों ने शॉट लिया, उन्होंने निराश नहीं किया। उन्होंने पर्याप्त गोल किए, इसलिए इससे मुझे इसे जारी रखने के लिए पर्याप्त आत्मविश्वास मिला। मुझे दो गेंदें मिलीं और हमने इसे जीत लिया।÷

पदक तालिका में चीन शीर्ष स्थान पर काबिज

» भारत 50 वें स्थान पर खिसका

पेरिस,04 अगस्त 2024। चीन ने पदक तालिका में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखते हुए पेरिस ओलंपिक खेलों के नौवें दिन रविवार को 16 स्वर्ण सहित कुल 37 पदक अपने नाम कर लिए। 16 स्वर्ण पदकों के अलावा, चीन ने 12 रजत और नौ कांस्य पदक जीते हैं। अमेरिका 14 स्वर्ण, 24 रजत और 23 कांस्य पदकों सहित कुल 61 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है। इस बीच, मेजबान फ्रांस 12 स्वर्ण, 14 रजत और 15 कांस्य पदकों के साथ कुल 41 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गया। ऑस्ट्रेलिया 12 स्वर्ण, आठ रजत और सात कांस्य पदकों के साथ कुल 27 पदकों के साथ चौथे स्थान पर है। ग्रेट ब्रिटेन 10 स्वर्ण, 10 रजत और 13 कांस्य पदकों के साथ कुल 33 पदकों के साथ पांचवें स्थान पर है। तीन कांस्य पदकों के साथ भारत तालिका में 50वें स्थान पर खिसक गया। पदक तालिका- शीर्ष 5 और भारत- राष्ट्र जीएसबीटी 1) चीन 16 12 9 37 2) संयुक्त राज्य अमेरिका 14 24 23 61 3) फ्रांस 12 14 15 41 4)ऑस्ट्रेलिया 12 8 7 27 5) ग्रेट ब्रिटेन 10 10 13 33 53) भारत 0 0 3 3

मुझे कई फिल्मों के लिए पैसे नहीं मिले हैं,हर जगह लॉबिंग है

बॉलीवुड की कई फिल्मों को हिट गाने दे चुकीं सुनिधि चौहान खबरों में छाई हुई हैं। वह सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली सिंगर्स की लिस्ट में शुमार हैं। वह हाइएस्ट पेड आर्टिस्ट हैं लेकिन कई बार उन्हें अपने काम का पैसा भी नहीं मिला है। जिसका खुलासा उन्होंने एक पॉडकास्ट में किया है। बताया है कि कई बेहतरीन कामों के लिए उनको आज तक पेमेंट नहीं मिली है।

राज शमनी के पॉडकास्ट में सुनिधि चौहान से पूछा गया कि क्या ऐसा वाकई होता है क्या कि कई सिंगर्स को एक ही गाने का कुछ हिस्सा हाने के लिए कहा जाता है और उसमें जो सेलेक्ट होता है, उसे ही पेमेंट की जाती है और बाकियों को उनके एफर्ट्स के लिए कुछ नहीं दिया जाता। तो क्या बॉलीवुड में पैसे नहीं मिलते? इस पर सुनिधि ने कहा कि ऐसा आमतौर पर होता है।

सुनिधि चौहान ने खुद के बारे में कहा, %मुझे कई फिल्मों के लिए पैसे नहीं मिले हैं, आज भी वो मुझे पैसे नहीं देते हैं। वो पूछते हैं और मैं पैसे नहीं लेती क्योंकि मुझे लगता है कि इस गाने के लिए मुझे पैसे की जरूरत नहीं है। कुछ जगहों पर मैं मदद करना चाहती हूं इसलिए मैं अपना प्राइस बताती हूं और गाना गाती हूं। आप किसी के अहंकार को ठेस नहीं पहुंचाना चाहते क्योंकि हर कोई आपकी तरह नहीं सोचता। हो सकता है कि वो यह भी न समझें कि आप कैसा महसूस करते हैं।

42 साल पहले ऐसे मनाया गया था अमिताभ बच्चन का दूसरा जन्मदिन

मौत के मुंह से बचकर घर लौटे थे बिग बी

अमिताभ बच्चन का बर्थडे वैसे तो हर साल 11 अक्टूबर को आता है, पर अगस्त में भी उनका बर्थडे मनाया जाता है। फैंस और शुभचिंतकों के लिए 2 अगस्त अमिताभ बच्चन का दूसरा जन्म दिवस है। यह वो दिन है, जब अमिताभ 42 साल पहले मौत को चकमा देकर घर वापस लौटे थे। तब उनका खूब गर्मजोशी से स्वागत किया गया था। सभी देशवासियों ने जश्न मनाया था। दो अगस्त 2024 को कई फैंस ने अमिताभ का दूसरा बर्थडे मनाया, जिसके लिए उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में सभी का धन्यवाद दिया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जो 42 साल पुराना है, जिसमें अमिताभ बच्चन अस्पताल से ठीक होने के बाद घर लौटे। धूमधाम से उनका स्वागत किया गया। भारी भीड़ थी और उसके बीच अमिताभ की आरती उतारी गई।

26 जुलाई 1982,कुली के सेट पर लगी थी गंभीर चोट

दरअसल, 26 जुलाई 1982 में फिल्म कुली की शूटिंग के दौरान अमिताभ बच्चन को गंभीर चोट आई थी। एक एक्शन सीन के दौरान पुनीत इस्सर ने अमिताभ के पेट में जोरदार मुक्का मार दिया था। मुक्का लगते ही अमिताभ जमीन पर गिर पड़े थे और दर्द से कराहने लगे थे। पुनीत इस्सर मार्शल आर्ट में माहिर थे और उनका मुक्का तेज लगा। अमिताभ को तेज दर्द हो रहा था। डॉक्टरों को भी दिखाया, पर परेशानी पकड़ में नहीं आई।

मवाद पड़ गया,क्लीनिकली डेड घोषित,मंदिर से लेकर गुरुद्वारों में प्रार्थनाओं का दौर

इसी बीच अमिताभ बच्चन की हालत बिगड़ती चली गई। बार-बार टेस्क के बाद भी पता नहीं चल पा रहा था कि दिक्कत क्या है। तब वेल्लोर के डॉ. भट्ट ने अमिताभ का टेस्ट किया और बताया कि उनके पेट में चोट लगी है और मवाद पड़ने लगा है। अमिताभ की तुरंत ही इमर्जेंसी सर्जरी की गई। उस वक्त पूरा देश उनके लिए प्रार्थना करने लगा। जगह-जगह हवन किए जाने लगे। लेकिन सर्जरी के बाद भी अमिताभ की हालत नहीं सुधरी। फिर उन्हें ब्रीचकैंडी हॉस्पिटल लाया गया, जहां वह कुछ देर के लिए क्लीनिकली डेड घोषित कर दिए गए थे। पूरे देश में मातम सा पसर गया था। मंदिर से मस्जिद, दरगाह, चर्च और गुरुद्वारों में सभी ने अपने हीरो के लिए दुआ और प्रार्थना शुरू कर दी।

2 अगस्त 1982 को अमिताभ का हुआ था दोबारा जन्म

धीरे-धीरे अमिताभ बच्चन की हालत सुधरने लगी और 2 अगस्त 1982 को डॉक्टरों की मेहनत के दम पर अमिताभ फिर से जी उठे। उनका हालत ठीक होने लगी और वह घर वापस लौट आए। जब घर आए तो उनके शानदार स्वागत के लिए भारी भीड़ उमड़ी थी।

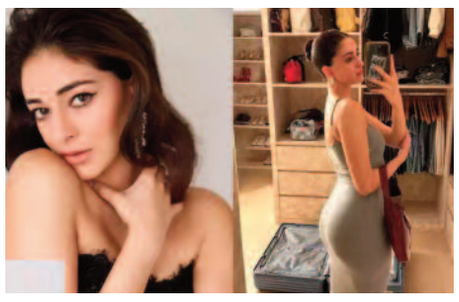

अनन्या पांडे ने कराई हिप सर्जरी ? नई फोटो ने फैला दी गपशप

लिप फिलर पर भी बोले लोग- अपना हुलिया बिगाड़ रही ये

चंकी पांडे और भावना पांडे की बेटी, अनन्या पांडे ने 18 साल की उम्र में बॉलीवुड में डेब्यू किया लेकिन दर्शकों को इंप्रेस करने में असफल रहीं। वह नेपोटिज्म विवाद का निशाना बनीं और एक स्टार किड के रूप में उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा। अनन्या पांच साल से बॉलीवुड का हिस्सा हैं और अक्सर अपने लुक के लिए आलोचना झेलती रहती हैं। एक्ट्रेस ने बार-बार अपने लुक और शरीर को लेकर अपने डर और असुरक्षा के बारे में बात की है।

इन सबके बीच अनन्या पांडे ने अपनी नई तस्वीर से सभी का ध्यान खींचा है, जिससे उनके हिप के बढ़ने की अटकलें तेज हो गई हैं। 3 अगस्त को, अनन्या ने अपने इंस्टा हैंडल पर अपनी एक मिरर सेल्फी शेयर की। फोटो में, अनन्या ने नूडल पट्टियों वाली ग्रे रंग की बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई थी। सटल मेकअप और बन हेयरस्टाइल ने उनके लुक को पूरा किया। फोटो में एक्ट्रेस ने अपनी आलमारी की झलक भी दिखाई।

खुला पत्र

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग के संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...के पन्द्रहवें दिन भी केंद्र सरकार से अनुमोदित विज्ञापन नियमावली के आदेश को ठेंगा दिखाने वाले जनसंपर्क विभाग के द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं देने के पीछे किसका हाथ...

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी?

क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी?

क्यूं न लिखें सच?

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी 25 जून को संविधान हत्या दिवस छत्तीसगढ़ में नहीं मनाया जायेगा क्या?

इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक आईपीएस के तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया जा रहा है जुर्म...?

क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...

अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)